LNMUonline.com

Maithili (Hons.) Paper-II

उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरीमे दातव्य।

1. निम्नलिखित सभ प्रश्नक उत्तर दिअ :
   (क) 'अतीत' नामक पोथीक प्रकाशक के अछि?
   (ख) 'अतीत' मे कै गोट कथा छकै?
   (ग) मैथिली कथा धारा' क सम्पादक के छथि?
   (घ) 'कंचनिया' कथाक रचनाकार के छथि?
   (ङ) 'पृथ्वीपुत्र' कोन विधाक पोथी थिक?
   (च) 'पृथ्वीपुत्रक' नायिकाक नाम लिखू।
   (छ) 'बेनी' कोन उपन्यासक पात्र अछि?
   (ज) 'हमरा लग रहब ?' पोथीक प्रकाशक के अछि?
   (झ) 'प्रणव' कोन पोथीक नायक अछि? LNMUonline.com
   (ञ) 'रूदल चोधरी' कोन पोथीक पात्र अछि?
2. कोनो तीन प्रश्नक उत्तर लिखू :
   (क) 'एकवीरा तीन फांक' नामक कथाक कथावस्तु लिखू।
   (ख) 'कथाधारा'क आधार पर कथा विधाक विकासक्रम देखाउ।
   (ग) 'अतीत' कथा संग्रह एक उत्कृष्ट कथा, जो पाठ्यक्रम मे अछि, तकर समीक्षा करू।
   (घ) 'पृथ्वीपुत्र' उपन्यासक नायिकाक चरित्रांकन करू।
   (ङ) 'हमरा लग रहब' ? उपन्यासक नायकक चरित्र-चित्रण करू।
3. कोनो दू अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू :
   (क) पहिने जिबइत रहब जरूरी छइक। तखन पर-पंच आ रि लो-लाज। आ जीबाक अपन-अपन ढंग होइ छइक।
   (ख) आरम्भमे हुनका सधवा जो विधवामे केवल इएह अन्तर बूझि पड़नि। परन्तु अइपानताक ई सुखद समय अधिक दिन नहि ठहरि सकल। कालक्रमे ज्ञान भेलनि आ तखन ओ बुझलनि जे संसारक बहुत रास सुलभ वस्तु हुनका हेतु नहि बनल छल।
   (ग) अनायास प्रणवक दुनू हाथ शून्यमे जुड़ि गेलकै। नहि जानि ककरासँ की मंगलकै हाथ जोड़िकऽ?ओकर मोन शान्त नहि भेलकै। ओ चुपचाप बिछौन पर पड़ि रहल। बहुत रास बात सभ मोन पड़लैक। LNMUonline.com
   (घ) अप्रैल-मईक तीक्ष्ण रौदसँ तबधल कारी झामट भेल सड़क बड़ विवश भावें पड़ल छल। हर्ष-विषादसँ रहित माया-मोहसँ हीना स्थित प्रज्ञ। ने ट्रकक प्रति कोनो विराग आने रागिनीक छोट-छोट कोमल-कोमल रक्तिम पयरक प्रति कोनो अनुराग। भावनाहीन, मुदा कर्मठ।

LNMUonline.com